

वहं पुं. (तत्.) 1. मोर का पंख 2. पत्र, पत्ता 2. ग्रन्थिपर्णी।

वहण पुं. (तत्.) पत्र, पत्ता, पर्ण।

वर्हि पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. जल 3. यज्ञ 4. कुश 5. दीप्ति 6. चित्रक वृक्ष 7. एक प्राचीन राजा का नाम।

वर्हिच्छद वि. (तत्.) मोर पंख।

वर्हिध्वज/वर्हियान/वर्हिवाहन पुं. (तत्.) शिव-पार्वती का पुत्र अर्थात् कार्तिकेय, स्कन्द।

वर्ही पुं. (तत्.) 1. मयूर, मोर 2. कश्यप का एक पुत्र 3. तगर पुष्प।

वल पुं. (तत्.) 1. जाना 2. हिलना-डुलना 3. आकर्षित होना, अनुरक्त होना 4. बढ़ाना 5. ढकना 6. घेरना, घिर जाना 7. घूमना-फिरना 8. मेघ, बादल 8. एक राक्षस।

वलक्ष वि. (तत्.) 1. सफेद, श्वेत 2. चंद्रमा पुं. सफेद रंग उदा. जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष वलक्ष है- दिनकर (कुरूक्षेत्र, सर्ग 1)।

वलद पुं. (तत्.) पुत्र, बेटा, आत्मज।

वलन पुं. (तत्.) चक्कर खाना, घूमना, घुमाव भू.वि. शैल की किसी एक परत में या पूरी शैल में मोड़ खगो. ग्रह की वक्र गति।

वलनी स्त्री. (तत्.) 1. घूमी या मुड़ी हुई 2. जहाँ से कोई वस्तु घूमी हुई या मुड़ी हुई हो।

वलभी स्त्री. (तत्.) 1. घर के ऊपर बना हुआ मंडप, चन्द्रशाला 2. ऊपर का कमरा 3. घर का सबसे ऊँचा भाग 4. लकड़ी का बना छप्पर का ढाँचा 5. काठियावाड़ की एक प्राचीन नगरी।

वलय पुं. (तत्.) 1. मंडल, गोलाकार घेरा 2. घेरने/लपेटने वाली वस्तु, वेष्टन 3. हाथ में पहनने का कंगन, कंकण, छल्ला 4. वृत्त की परिधि 5. एक प्रकार की व्यूह रचना 6. एक प्रकार का गलगंड रोग 7. शाखा 8. कमर 9. वस्त्र का नाड़ा, इजारबंद, करधनी 10. भू.वि. विपरीत

दिशाओं से दबाव पड़ने पर शैल में पड़ा मोड़ 11. मंडप, बाड़ा।

वलयाकार वि. (तत्.) वृत्ताकार, मंडलाकार, गोल, जो वलय अथवा कंकण के आकार का हो।

वलाहक पुं. (तत्.) 1. मेघ, बादल 2. पर्वत, पहाड़ 3. एक दैत्य का नाम 4. मुस्तक 5. कुशद्वीप का एक पर्वत 6. एक प्राचीन नदी 7. साँपों की एक जाति।

वलि/वली स्त्री. (तत्.) 1. झुरी, सिकुड़न, झुरीवाला 2. चंदन आदि से शरीर पर बनाई गई रेखा, लकीर 3. पेट में पड़ने वाली सिकुड़न से बनी रेखाएँ 4. छप्पर की छत पर बंडेरी 5. घुंघराले बालों वाला, कुंतलकेशी 6. राजकर 7. बवासीर का मस्सा 8. गंधक 9. एक प्राचीन बाजा 10. प्रह्लाद का पौत्र राजा बलि।

वलित वि. (तत्.) 1. घूमा हुआ, मुड़ा हुआ, घूमता हुआ 2. घिरा हुआ 3. लपेटा हुआ, वेष्टित, आच्छादित 4. ढँका हुआ 5. झुरीदार, झुरी पड़ा हुआ 6. मिला हुआ, युक्त, सहित पुं. 7. काली मिर्च 8. हाथ की एक मुद्रा।

वली पुं. (अर.) 1. महात्मा 2. सहायक 3. उत्तराधिकारी 4. मित्र, दोस्त 5. किसी अवयस्क या संपत्ति का अभिभावक।

वलै पुं. (तत्.) 1. वलय 2. गोल घेरा, मंडल, वृत्त परिधि 3. कंकण, छल्ला 4. वेष्टन।

वल्क पुं. (तत्.) 1. वल्कल/छाल (पेड़ की), वल्कुट 2. खंड, टुकड़ा 3. शल्क, मछली के शरीर के ऊपर का चमकीला आवरण, छिलका।

वल्कतरु/वल्कद्रुम पुं. (तत्.) सुपारी का पेड़, भोजवृक्ष।

वल्कल पुं. (तत्.) 1. पेड़ की छाल 2. पेड़ की छाल से बना वस्त्र, आवरण 3. एक दैत्य 4. ऋग्वेद की वाष्कल नामक शाखा।

वल्कल संवीत वि. (तत्.) छाल के वस्त्र, परिधान पहनने वाला, पहना हुआ, वल्कल वस्त्रधारी।

वल्कली वि. (तत्.) छाल वाला वृक्ष जिसके कपड़े पहने जाते हैं, वल्कलिन।